CLASS NOTE **बी ए भूगोल पार्ट-2, पेपर-IV, इकाई-II**

विश्व में सूती वस्त्र उद्योग
(COTTON TEXTILE INDUSTRY IN THE WORLD)

बोलेंद्र कुमार अगम,
सहायक प्राध्यापक, भूगोल,
राजा सिंह महाविद्यालय, सिवान

मनुष्य की तीन मूलभूत आवश्यकताओं भोजन, वस्त्र और आवास में से एक है वस्त्र और इसीलिए वस्त्र बनाना मानव सभ्यता के प्राचीनतम उद्योगों में से एक है । प्राचीन काल से ही भारत, चीन, मिस्र, पेरू, मेक्सिको आदि देशों में वस्त्र निर्माण का कार्य होते आ रहा है ।

सूती वस्त्र उद्योग

सूती वस्त्रों के निर्माण हेतु सबसे प्रमुख कच्चा माल कपास है । कपास से सूती वस्त्र निर्माण के कई चरण है जैसे

कपास ओटना (Ginning)
धुनना (Carding)
कातना (Spining)
बुनना (Weaving)
रंगना (Dyeing)
ब्लीच (Bleaching) आदि

पहले यह सभी काम हाथों से होते थे परंतु 18 वीं शताब्दी में निम्नलिखित आविष्कारों ने सूती वस्त्र उद्योग को आधुनिक बना दिया

1765 Spinning Jenny - James Hargreaves
1779 Spinning Mule - Samuel Crompton
1785 Power Loom - Edmund Cartwright

बाद में ब्रिटेन में कॉटन जिन तथा भाप के इंजन का आविष्कार हुआ ।

सूती वस्त्र उद्योग को प्रभावित करने वाले कारक

1. **कच्चा माल: सूती वस्त्र उद्योग कपास पर आधारित होता है इसलिए जहां कपास उत्पादक क्षेत्र होता है वहीं पर इस उद्योग का विकास होता है जैसे भारत में मुंबई तथा अहमदाबाद, संयुक्त राज्य अमेरिका में कपास की पेटी में सूती वस्त्र उद्योग का विकास हुआ है ।**

2. **शक्ति के साधन: सूती वस्त्र उद्योग के मशीनों को चलाने के लिए तापीय शक्ति या विद्युत शक्ति की आवश्यकता होती है । ब्रिटेन का लंकाशायर में सूती वस्त्र उद्योग का शक्ति के साधन का के पास विकास, इसका उदाहरण है ।**
3. **सस्ता परिवहन: चूँकि सूती वस्त्र उद्योग वजनह्रास उद्योग नहीं है इसलिए जहां परिवहन के अच्छे साधन है वहां इस उद्योग को कपास आयात करके कारखाना स्थापित किया जाता है । इंग्लैंड में भारत, पाकिस्तान, मिस्र तथा यूएसए से कपास आयात कर सूती वस्त्र उद्योग स्थापित किया गया है ।**
4. **अनुकूल जलवायु: सूती वस्त्र उद्योग के लिए आर्द्र जलवायु की आवश्यकता होती है क्योंकि शुष्क जलवायु में धागा बार बार टूट जाता है इसलिए समुद्री किनारा यह समुद्र तटीय भाग सबसे उपयुक्त होता है**
5. **श्रम: सूती वस्त्र उद्योग में श्रम सबसे महत्वपूर्ण है । विश्व में सबसे अधिक श्रम वस्त्र उद्योग में ही लगा है । इसलिए सस्ते और कुशल श्रम की आवश्यकता होती है ।**
6. **जलापूर्ति: सूती वस्त्र उद्योग में जल की बहुत अधिक उपयोगिता है । वस्त्रों की धुलाई, रंगाई, छपाई आदि में बड़ी मात्रा में जल की आवश्यकता होती है । अतः सूती वस्त्र उद्योग जल स्रोतों के नजदीकी स्थापित किया जाता है ।**
7. **पूंजी: इस उद्योग में पर्याप्त पूंजी की आवश्यकता होती है इसलिए अधिकांश विकसित देशों में उद्योग स्थापित हुआ है ।**
8. **बाजार: तैयार वस्त्र का के विक्रय हेतु विस्तृत बाजार की आवश्यकता होती है । बदलते फैशन के हिसाब से वस्त्र बनाना और बेचना बिना बाजार के मुश्किल है ।**
9. **सरकारी नीतियां: किसी भी उद्योग के लिए सरकारी नीतियां बहुत ही महत्वपूर्ण होती है । सरकार उद्योग को प्रोत्साहन देकर उसके विकास में सहयोग कर सकती है ।**
10. **बैंकिंग और बीमा सुविधा के बिना किसी भी उद्योग को स्थापित करना मुश्किल है ।**

सूती वस्त्र उद्योग के क्षेत्र

सूती वस्त्र उद्योग में 3 क्षेत्र है: हैंडलूम, पावरलूम, मिल

हैंडलूम: इसमें मानव श्रम की महत्ता है । इसमें सस्ते और अर्द्ध कुशल श्रम कार्यरत होते हैं । इसमें ज्यादा पूंजी की भी आवश्यकता नहीं होती है । मुख्य काम है कताई, बुनाई और तैयार वस्त्रों का परिष्करण पावरलूम: इसके आने से सूती वस्त्र का उत्पादन बढ़ गया क्योंकि इसमें शारीरिक श्रम कम और मशीन ज्यादा कार्य करते हैं ।

मिल: इसमें बहुत अधिक पूंजी की आवश्यकता होती है और यह अत्यधिक मात्रा में वस्त्रों का उत्पादन करता है ।

सूती वस्त्र उद्योग का विश्व वितरण:

चीन: शंघाई, कैंटन, बुहान, नानकिंग, चुंगकिंग, बीजिंग

ब्रिटेन: मैनचेस्टर, ब्रैडफोर्ड, डर्बीशायर, लीड्स

रूस: मास्को-इवानोवा (रूस का मैनचेस्टर), लेनिनग्राड (सेंट पीटर्सबर्ग)

ब्राज़ील: साओ पाउलो, रियो डी जेनेरियो

जापान: ओसाका (जापान का मैनचेस्टर), टोक्यो याकोहामा, नागोया

पाकिस्तान: कराची, लाहौर, रावलपिंडी, पेशावर, फैसलाबाद, मुल्तान, हैदराबाद, गुजरांवाला

पूर्व सोवियत संघ: चेलियाबिंस्क, ओमस्क, नोवोसिबिरस्क, ताशकंद, फरगना, बुखारा, अश्कावाद, दुशांबे, गोरकी, बाकू, खरेसान, क्रीव

इटली: मिलान, टयूरिन, ब्रेसिया, वेरोना, कोमो

फ़्रांस: लिले, सेंट इक्वीटेन, फोर्मिस, नैंसी, बेलफोर्ट

पोलैंड: लोदज, क्राकाओ, पोजनान

पुर्तगाल: पोर्टो अलग्रे, ब्रागा, सान्टो डीरसी, गयीमारास

भारत: मुंबई, अहमदाबाद, कोलकाता, मेरठ, कानपुर, लुधियाना, कोयंबटूर, मदुरई, नागपुर, इंदौर, देवास, ग्वालियर, रतलाम, भोपाल, हैदराबाद, सिकंदराबाद

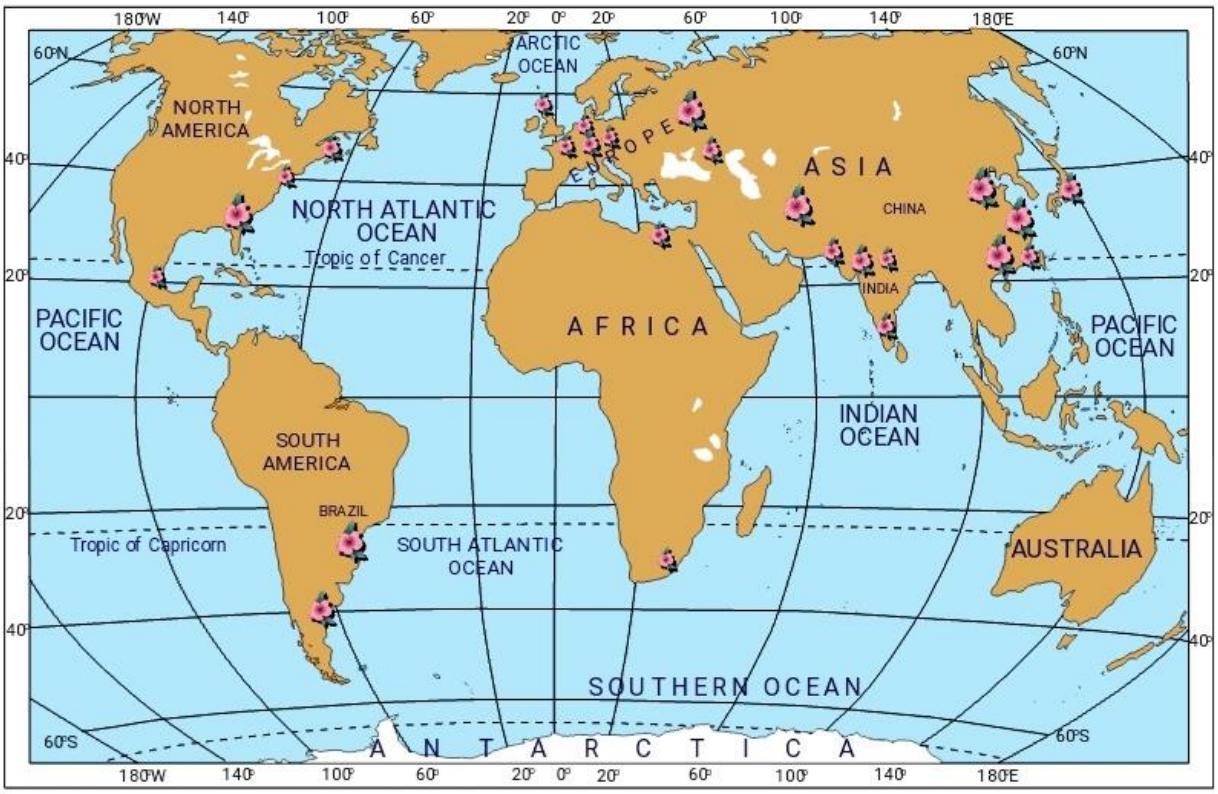

(चित्र: विश्व में सूती वस्त्र उद्योग)

https://nroer.gov.in/55ab34ff81fccb4f1d806025/file/57cff4e916b51c038dedc420

क्रम	देश	कपास उत्पादन (हजार टन)
1	**चीन**	6,532
2	**भारत**	6,423
3	**अमेरिका**	3,553
4	**पाकिस्ता**	2,308
5	**ब्राज़ील**	1,524
6	**उज्बेकिस्तान**	849
7	**तुर्की**	697
8	**ऑस्ट्रेलि**	501
9	**तुर्कमेनिस्तान**	332
10	**मेक्सिको**	297

https://www.worldatlas.com/articles/top-cotton-producing-countries-in-the-world.html

देश	सूती वस्त्र उत्पादन (लाख वर्ग मीटर)
चीन	2256**0**
भारत	12500
रूस	8650
अमेरिका	3730
जापान	1770
जर्मनी	900
हांगकांग	820
मिस्र	610
फ़्रांस	810
रोमानिया	540

http://www.yourarticlelibrary.com/industries/leading-producers-of-cotton-yarn-in-the-world/25406

इस प्रकार सूती वस्त्र उद्योग प्राचीन उद्योग से आधुनिक उद्योग बन गया है। इसमें भी मानव श्रम से मशीन संस्कृति की ओर विकास देखा जा रहा है। यही कारण है कि सूती वस्त्र का उत्पादन जरूरत के हिसाब से लगातार बढ़ते जा रहा है।*****************************
सन्दर्भ: विश्व का भूगोल: महेश बर्णवाल, एन सी ई आर टी, इन्टरनेट********************